B.KUMAR'S ACADEMY

QUESTION PAPER

विषय : हिंदी | **पाठ : लक्ष्मी** | **कुल अंक** : २०

कक्षा : १० वी | **कविता : भारत महिमा, व्याकरण - विरामचिह्न** | **समय** : ४५ मि.

गद्य विभाग

प्र. १ : निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **०८**

१) २

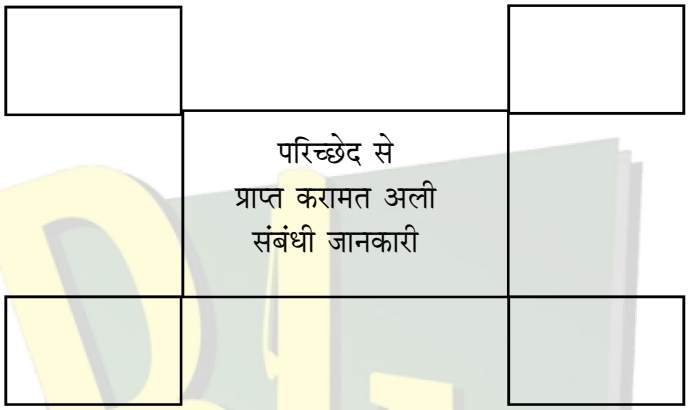

२) उत्तर लिखिए २

करामत अली की समस्याएँ

लक्ष्मी को गौशाला मे रखने की वजह

रात काफी निकल चुकी थी। सवेरे देर तक वह लेटा ही रह गया। कुछ देर बाद करामत अली ने चारपाई छोड़ी। मुँह - हाथ धो, घर से बाहर निकल पड़ा। लक्ष्मी के गले से बँधी हुई रस्सी खूँटे से खोली और उसे गली से बाहर ले जाने लगा। रमजानी, जो दरवाजे पर खड़ी यह सब देख रही थी, बोली - ''इसे कहाँ ले चले?''

करामत अली ने कहा - ''जहाँ इसकी किस्मत में लिखा है।''

वह लक्ष्मी को सड़क पर ले आया। लक्ष्मी बिना किसी रुकावट या हुज्जत के उसके पीछे - पीछे चली जा रही थी। वह उसकी रस्सी पकड़े सड़क पर आगे की ओर चलता चला गया। चलते - चलते कुछ क्षण रुककर वह बोला - ''लक्ष्मी चल, अरे! गऊशाला यहाँ से दो किलोमीटर दूर है। तुझे गऊशाला में भरती करा दूँगा। वहाँ इत्मीनान से रहना। वहाँ तू हमारे घर की तुलना में मजे से रहेगी। भले ही मैं वहाँ न रहूँ पर जो लोग भी होंगे, मेरे ख्याल में तुम्हारे लिए अच्छे ही होंगे। मैं कभी - कभी तुम्हें देख आया करूँगा। तब तू मुझे पहचानेगी भी या नहीं, खुदा जाने,'' कहते हुए करामत अली का गला भर आया। उसकी आँखों में आँसू उतर आए।

''चल, लक्ष्मी चल। जल्दी - जल्दी पैर बढ़ा'' और वह खुद किसी थके - माँदे बूढ़े बैल की तरह भारी कदमों से आगे बढ़ने लगा।

३) चौखट में दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। २

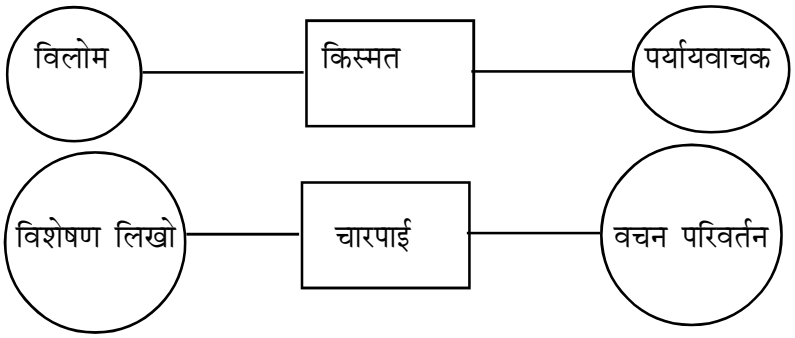

४) 'यदि आप करामत अली की जगह होते तो' इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए। २

पद्य विभाग ६

प्र. २ : निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) निम्नलिखित पंक्तियों का तात्पर्य लिखिए २

१) हमारे सचंय में था दान →

२) निछावर कर दें हम सर्वस्व →

२) उचित जोडियाँ मिलाइए। २

संचय
वचन
हृदय
अभिमान
हर्ष
तेज
सत्य
दान

अ	आ
१) _____	_____
२) _____	_____
३) _____	_____
४) _____	_____

हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।

वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान।

जिएँ तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष।

३) प्रस्तुत पद्य से अपनी पसंदीदा किन्ही दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। २

व्याकरण विभाग

प्र. ३ : निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए। ४

१) ओह कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है

२) केवल टीका नथुनी और बिछिया रख लिए थे

३) लक्ष्मी चल अरे गऊशाला यहाँ से दो किलोमीटर दूर है

४) मानो उनकी एक आँख पूछ रही हो कहो कविता कैसी रही

प्र. ४ : 'PETA' संस्था के बारे में चार पाँच वाक्य में जानकारी लिखिए। २

***

B.KUMAR'S ACADEMY

विषय : हिंदी | **QUESTION PAPER** | **कुल अंक** : २०

कक्षा : १० वी | **पाठ : वाह रे हमदर्द, गोवा, कविता - मन** | **समय** : ४५ मि.

गद्य विभाग

प्र. १ : क) निम्नलिखित परिच्छेद के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

१) अ) २

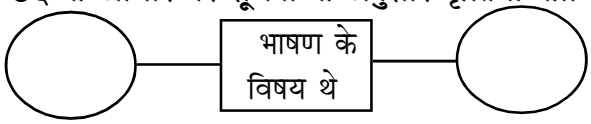

ब)

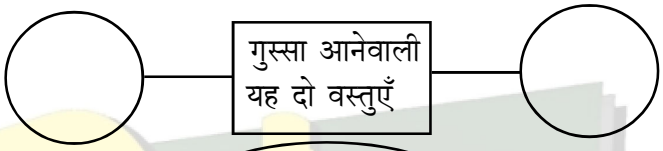

२) २

उस दिन जब मैं पूँजीवादी और समाजवादी अर्थ व्यवस्था पर भाषण सुनकर आ रहा था तो सामने से एक कार आ रही थी। भाषण के प्रभाव से मेरी साइकिल को अधिक जोश आया या कार को गुस्सा अधिक आया, यह मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता; किंतु मेरी साइकिल और वह कार जब करीब आए तो विरोधियों की तरह एक - दूसरे को घृणा की नजरों से देखते हुए आपस में जा भिड़े। मैंने खामखाह पूँजीवाद और समाजवाद के झगड़े में टाँग अड़ाई। फलस्वरूप मेरी टाँग टूट गई। दुर्घटना के बाद आज भी इनसानियत कायम है, यह सिद्ध करने के लिए कुछ लोग मेरी तरफ दौड़े।

आँख खुली तो मैंने अपने - आपको एक बिस्तर पर पाया। इर्द - गिर्द कुछ परिचित - अपिरिचित चेहरे खड़े थे। आँख खुलते ही उनके चेहरों पर उत्सुकता की लहर दौड़ गई। मैंने कराहते हुए पूछा - "मैं कहाँ हूँ?"

३) कारण लिखिए २

१) भाषण के प्रभाव का असर →

२) उसका फलस्वरूप परिणाम →

४) आपके जीवन मे आया हुआ किसी दुर्घटना प्रसंग का वर्णन लिखिए। २

प्र. २ रा ख) निम्नलिखित परिच्छेद के आधारपर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

१) २

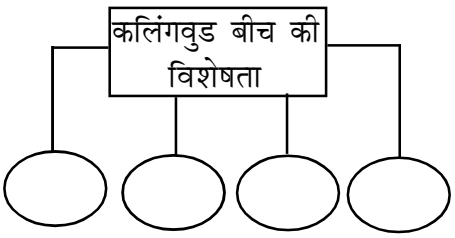

२) २

घूम - फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे। यह काफी रेतीला तथा गोवा का सबसे लंबा बीच है जो ३ से ४ किमी तक फैला है। यहाँ पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। यही कारण है कि यह स्थानीय लोगों के व्यवसाय का केंद्र भी है। यहाँ कई प्रकार के वाटर स्पोर्ट्स होते हैं जिनमें कुछ तो हैरतअंगेज हैं, जिन्हें देखने में ही आनंद आता है। आप भी अपनी रुचि के अनुसार हाथ आजमा सकते हैं। मैंने कई खेलों में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे अधिक रोमांच पैराग्लाइडिंग में ही आया। काफी ऊँचाई से अथाह जलराशि को देखना जितना विस्मयकारी है, उतना ही भयावह भी। दूर - दूर तक पानी - ही - पानी, तेज हवा और रस्सियों से हवा में लटके हम। हम यानी मैं और मेरी पत्नी। दोनों डर भी रहे थे और खुश भी हो रहे थे। डर इस बात का कि छूट गए तो समझो गए और खुशी इस बात की कि ऐसा रोमांचक दृश्य पहली बार देखा। सचमुच अद्भुत!

३) निम्नलिखित वाक्यों में आई हुई सहायक क्रियाओं को अधोरेखांकित कीजिए तथा उनका अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए। २

१) टैक्सी एक पतली -सी सड़क पर दौड़ पड़ी।

२) अब समुद्र स्याह और भयावह दिखने लगा।

४) गोवा की प्राकृतिक सुंदरता पर जानकारी अपने शब्दों में लिखिए। २

विभाग - पद्य (पूरक पठन)

प्र. ३ : निम्नलिखित हाइकु द्वारा मिलने वाला संदेश लिखिए। ४

घना अँधेरा और चमकता प्रकाश अधिक	जीवन नैया मँझधार में डोले संभाले कौन?
____________________	____________________
____________________	____________________

२

घना अँधेरा
चमकता प्रकाश
और अधिक ।

करते जाओ
पानी की मत सोचो
जीवन सारा।

जीवन नैया
मँझधार में डोले,
सँभाले कौन?

रंग - बिरंगे
रंग - संग लेकर
आया फागून

२) हाइकु कविता की विशेषता स्पष्ट कीजिए। २

B.KUMAR'S ACADEMY

***

B.KUMAR'S ACADEMY

QUESTION PAPER

विषय : हिंदी | **पद्यपाठ : गिरिधर नागर,** | **कुल अंक** : २०
कक्षा : १० वी | **पूरक पठन-खुला आकाश** | **समय** : ४५ मि.

विभाग पद्य (१२)

प्र. १ : क) निम्नलिखित पद्यपाठ के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

१) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए।

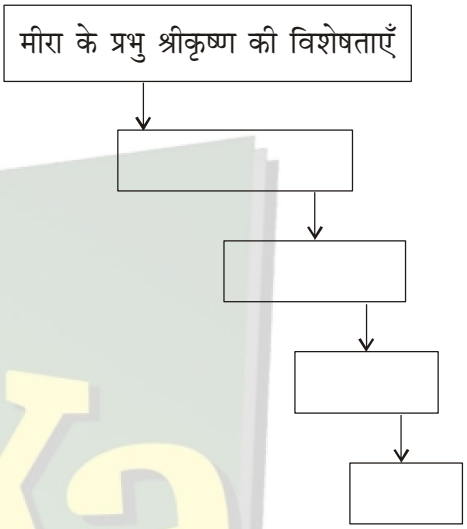

२

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई
छाँड़ी दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई?
संतन ढिग बैठि - बैठि, लोक लाज खोई।
अँसुवन जल सींचि - सींचि प्रेम बेलि बोई।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई।।
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई।
माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई।
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई।
दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोहि।।

२) इस अर्थ में आए शब्द लिखिए। २

अर्थ	**शब्द**
१. खानदान	→
२. इज्जत	→
३. छोड़ दिया	→
४. मान लेखना	→

३) प्रस्तुत पद के आधार पर 'मीरा की कृष्णभक्ति पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।' २

प्र. २ : निम्नलिखित गजल के आधारपर पद्य विश्लेषण कीजिए। ६

१) प्रस्तुत कविता के कवि का नाम १

२) कविता की विधा १

३) पसंदीदा पंक्ति १

४) पसंदीदा होने का कारण १

५) कविता से प्राप्त होनेवाला संदेश अपने शब्दों में लिखिए। २

विभाग - पूरक पठन ४

प्र. ३ : निम्नलिखित पूरक पठन के आधारपर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) २

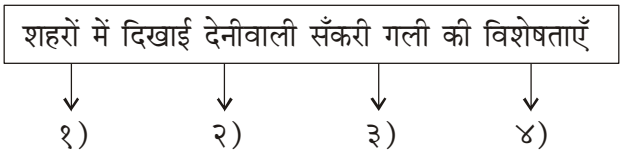

मकान पर मकान

जिस गली में आजकल रहता हूँ - वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं है, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद - फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़ती हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ - वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं। उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर - उधर फुदक सकते हों या चूँ - चूँ की आवाजें निकाल सकते हों।

मै ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बिजली या टेलीफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ।

-१० मार्च १९९८

२) अंधांधुध विकास के नाम पर हो रहा मानवीय अध:पतन अपने शब्दों में लिखिए। २

विभाग - व्याकरण ४

प्र. ४ : निम्नलिखित संधि विच्छेद की संधि कीजिए और भेद लिखिए।

अ.क्र.	संधि विच्छेद	संधि शब्द	संधि भेद
१.	दु: + लभ	.....	.....
२.	महा + आत्मा	.....	.....
३.	अन् + आसक्त	.....	.....
४.	सम् + तोष	.....	.....

***

B.KUMAR'S ACADEMY

B.KUMAR'S ACADEMY

Question Paper

विषय : हिंदी | **पाठ : रीढ़ की हड्डी** | **कुल अंक** : ३०

कक्षा : १० वी | **पद्यपाठ : कृषक का गान, पूरक पठन - ठेस, व्याकरण** | **समय** : १ घंटा

(विभाग गद्य)

प्र. १ : क) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **०८**

१) संजाल पूर्ण कीजिए। २

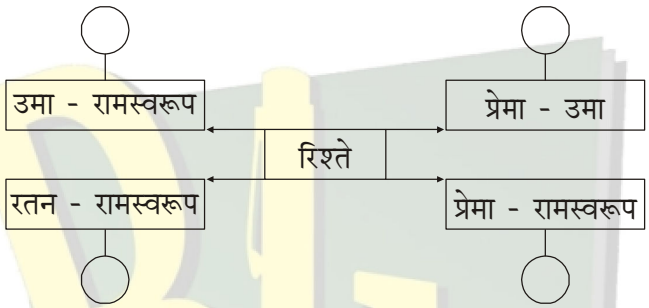

२)

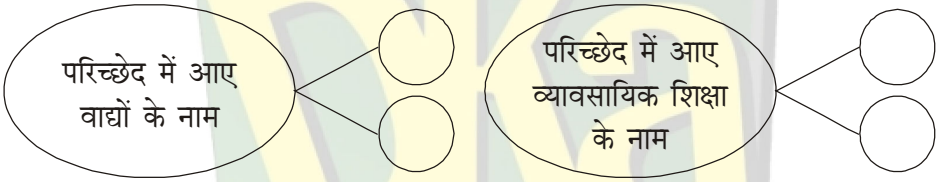

२

रामस्वरूप : अबे! धीरे - धीरे चल । ... अब तख्त को उधर मोड़ दे... उधर। (तख्त के रखे जाने की आवाज आती है।)

रतन : बिछा दें साहब?

रामस्वरूप : (जरा तेज आवाज में) और क्या करेगा? परमात्मा के यहाँ अक्ल बँट रही थी तो तू देर से पहुँचा था क्या?.... बिछा दूँ साहब! ... और यह पसीना किसलिए बहाया है?

रतन : (तख्त बिछाता है) हीं-हीं-हीं।

रामस्वरूप : (दरी उठाते हुए) और बीबी जी के कमरे में से हारमोनियम उठा ला और सितार भी।... जल्दी जा (रतन जाता है। पति - पत्नी तख्त पर दरी बिछाते हैं।)

प्रेमा : लेकिन वह तुम्हारी लाड़ली बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।

रामस्वरूप : क्या हुआ?

प्रेमा : तुम्हीं ने तो कहा था कि उसे ठीक - ठाक करके नीचे लाना।

रामस्वरूप : अरे हाँ, देखो, उमा से कह देना कि जरा करीने से आए। ये लोग जरा ऐसे ही हैं। खुद

B.KUMAR'S ACADEMY

पढ़े - लिखे हैं, वकील हैं, सभा - सोसायटियों में जाते हैं; मगर चाहते हैं कि लड़की
ज्यादा पढ़ी - लिखी न हो।

प्रेमा : और लड़का?

रामस्वरूप : बाप सेर है तो लड़का सवा सेर। बी. एस्सी. के बाद लखनऊ में ही तो पढ़ता है मेडिकल कॉलेज में। कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, पढ़ाई का दूसरा। क्या करूँ, मजबूरी है।

३) निम्नलिखित वाक्यों मे आए हुए अव्ययों को रेखांकित कीजिए और उनके भेद दिए गए स्थान पर लिखिए। २

वाक्य	**अव्यय भेद**
१) वाह - वाह! खूब सोचा आपने!	.....
२) चाची, माँ के पास चली गईं।	.....

४) 'दहेज : एक समस्या' पर अपने विचार ६-८ वाक्यों में लिखिए। २

(विभाग - पद्य)

प्र. २ च) निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर नीचे दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: ६

१) i) संतोष की तलवार जिसके हाथ में है उसकी हालत

ii) कवि कृषक का गान करना चाहते है इसलिए २

२) i) आह्वान किया जा रहा है

ii) अन्नदाता की सद्यस्थिति २

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक - सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप - छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्वान उसका आज कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।

३) 'किसान की दुर्दशा का वर्णन' ७-८ पंक्तियों में लिखिए। २

B KUMAR'S ACADEMY

(विभाग : पूरक पठन)

प्र.३ : ट) निम्नलिखित पठित पूरक परिच्छेद के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **४**

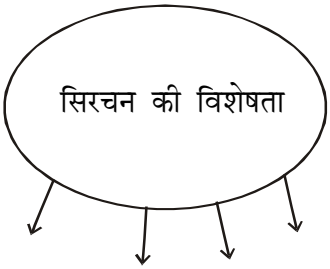

२

खेती - बारी के समय, गाँव के किसान सिरचन की गिनती नहीं करते। लोग उसको बेकार ही नहीं, 'बेगार' समझते हैं। इसलिए खेत - खलिहान की मजदूरी के लिए कोई नहीं बुलाने जाता है सिरचन को। क्या होगा, उसको बुलाकर? दूसरे मजदूर खेत पहुँचकर एक - तिहाई काम कर चुकेंगे, तब कहीं सिरचन राय हाथ में खुरपी डुलाता हुआ दिखाई पड़ेगा; पगडंडी पर तौल - तौलकर पाँव रखता हुआ, धीरे -धीरे। मुफ्त में मजदूरी देनी हो तो और बात है।

आज सिरचन को मुफ्तखोर, कामचोर या चटोर कह ले कोई। एक समय था, जब उसकी मड़ैया के पास बाबू लोगों की सवारियाँ बँधी रहती थीं। उसे लोग पूछते ही नहीं थे, उसकी खुशामद भी करते थे। ''अरे, सिरचन भाई! अब तो तुम्हारे ही हाथ में यह कारीगरी रह गई है सारे इलाके में। एक दिन का समय निकालकर चलो। बड़े भैया की चिट्ठी आई है शहर से -सिरचन से एक जोड़ा चिक बनाकर भेज दो।''

२) ''ग्रामीण जीवन में हाथों से कि गई कारीगरी की उपयोगिता'' बताइए। २

<u>विभाग - व्याकरण</u>

प्र.४ त) कृदंत बनाइए (कोई - दो) : १

पढ़ना →
समझना →
सीना →
चाहना →

थ) कोष्ठक की सूचना के अनुसार निम्न वाक्यों का काल परिवर्तन कीजिए। (कोई - २) **१**

१) अली घर से बाहर चला जाता है। (सामान्य भूतकाल)
२) सरकार एक ही टैक्स लगाती है। (सामान्य भविष्यकाल)
३) सातों तारें मंद पड़ गए। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

<u>विभाग - उपयोजित लेखन</u>

१) 'योगसाधना शिविर' का आयोजन करने हेतु आयोजक के नाते विज्ञापन तैयार कीजिए: **५**

२) 'किसान हमारा अन्नदाता' विषय पर निबंध लिखिए : **५**

***

Question Paper

विषय : हिंदी   **पद्‌य : बरषहिं जलद**   **कुल अंक** : ३०

कक्षा : १० वी   **पूरकपठन : दो लघुकथाएँ, गद्‌य - श्रमसाधना**   **समय** : १ घंटा

(विभाग गद्य)

प्र.१क) निम्नलिखित पठित परिच्छेद के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

१) i) व्यवसाय के दो वर्ग १

ii) व्यवसाय किया जाता है १

२) शरीर श्रम करनेवाले लोग २

जीवन निर्वाह या धन कमाने के लिए अनेक व्यवसाय चल रहे हैं। इनके मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं। कुछ व्यवसाय ऐसे हैं, जिनमें शरीर श्रम आवश्यक है और कुछ ऐसे हैं जो बुद्धि के बल पर चलाए जाते हैं। पहले प्रकार के व्यवसाय को हम श्रमजीवियों के व्यवसाय कहें और दूसरों को बुद्धिजीवियों के। राज - काज चलाने वाले मंत्री आदि तथा राज के कर्मचारी ऊँचे - ऊँचे पद से लेकर नीचे के क्लर्क तक, न्यायाधीश, वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी आदि ऐसे हैं जो अपना भरण - पोषण बौद्धिक काम से करते हैं। शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं - किसान, मजदूर, बढ़ई, राज, लुहार आदि। समाज के व्यवहार के लिए इन बुद्धिजीवियों और श्रमजीवियों, दोनों प्रकार के लोगों की जरूरत है पर सामाजिक दृष्टि से इन दोनों के व्यवसाय के मूल्यों में बहुत फर्क है।

३) **i) पर्यायवाची शब्द लिखिए ।** १

१. श्रम

२. मूल्य

ii) विलोम शब्द लिखिए। १

१) अपना   २) आवश्यक

४) **''श्रमप्रतिष्ठा'' पर अपने विचार ६-८ वाक्यों में लिखिए।** २

(विभाग पद्य)

प्र. २ : च) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर दी गई सूचनाओ के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **६**

१) संजाल पूर्ण कीजिए ।

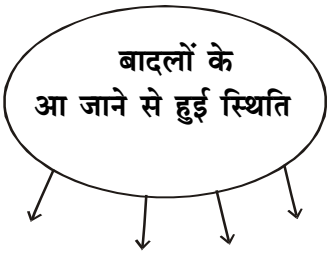

२

२) १) संतो को सहना पड़ता है। - ☐ २

२) शुद्ध जीव से लिपट गया है - ☐

३) सद्‌गुण मिल जाते है - ☐

४) बादलों में ठहरती नही - ☐

घन घमंड नभ गरजत घोरा । प्रिया हीन डरपत मन मोरा।
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं । खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं।।
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ । जथा नवहिं बुध विद्‌या पाएँ ।।
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे । खल के बचन संत सह जैसे ।।
छुद्र नदी भरि चली तोराई । जस थोरेहुँ धन खल इतराई ।।
भूमि परत भा ढाबर पानी । जनु जीवहिं माया लपटानी ।।
समिटि - समिटि जल भरहिं तलावा । जिमि सदगुन सज्जन पहिं आवा।।
सरिता जल जलनिधि महुँ जाई । होई अचल जिमि जिव हरि पाई।।

३) तुलसीदास रचित चौपाई की विशेषता लिखिए। २

प्र.३.ट) निम्नलिखित पठित पूरक पठन के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **४**

१) आकृति पूर्ण कीजिए :

१) भीषण गरमी का हाल → १

२) पर्वतीय स्थल यात्रा का वर्णन → १

इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी। दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी लू और उमस से चैन नहीं मिलता था। सोचा इस लिजलिजे और घुटनभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ों पर बिता आएँ।

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े। दो - तीन दिनों में ही मन में सुकून - सा महसूस होने लगा था। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, हरे - भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष, पहाड़ों की नीरवता में हल्का - सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे।

३) 'पहाड़ी इलाके में रहनेवाले लोगों की जीवनशैली' का वर्णन ६-८ वाक्यों में कीजिए। २

विभाग - व्याकरण

प्र.४ अ) अर्थ के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद लिखिए। ४

१) क्या पैसा कमाने के लिए गलत रास्ता चुनना उचित है?
२) इस वर्ष भीषण गरमी पड़ रही थी।
३) हाय! कितना निर्दयी हूँ मैं ।
४) काकी उठो, भोजन कर लो।

ब) रचना के आधार पर वाक्यों के भेद पहचानकर कोष्ठक में लिखिए। ३

१) अधिकारियों के चेहरे पर हलकी सी मुस्कान और उत्सुकता छा गई। (.....)
२) मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते है। (.....)
३) अभी समाज में यह चल रहा है क्योंकि लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते है। (.....)

विभाग : उपयोजित लेखन

प्र.५ कहानी लेखन । ५

'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' इस सुवचन पर आधारित कहानी लेखन कीजिए।

***

B.KUMAR'S ACADEMY

B.KUMAR'S ACADEMY

Question Paper

विषय : हिंदी | **पाठ : ईमानदारी की प्रतिमूर्ति** | **कुल अंक : २०**

कक्षा : १० वी | **कविता - छापा, पूरक पठन - हम इस धरती की संतति है।** | **समय : ४५ मि.**

(विभाग - गद्य)

प्र.१ : निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचना के आधार पर कृति कीजिए। ८

१) २

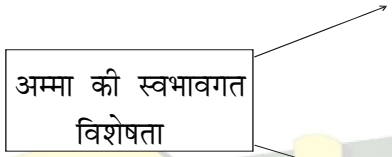

२) २

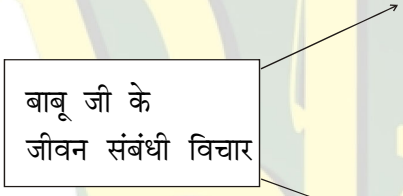

अम्मा बताती हैं - हमारी शादी में चढ़ावे के नाम पर सिर्फ पाँच ग्राम सोने के गहने आए थे, लेकिन जब हम विदा होकर रामनगर आए तो वहाँ उन्हें मुँह दिखाई में गहने मिले। सभी नाते - रिश्तेवालों ने कुछ - न - कुछ दिया था। जिन दिनों हम लोग बहादुरगंज के मकान में आए, उन्हीं दिनों तुम्हारे बाबू जी के चाचा जी को कोई घाटा लगा था। किसी तरह से बाकी का रुपया देने की जिम्मेदारी हमपर आ पड़ी - बात क्या थी, उसकी ठीक से जानकारी लेने की जरूरत नहीं सोची और न ही इसके बारे में कभी कुछ पूछताछ की।

एक दिन तुम्हारे बाबू जी ने दुनिया की मुसीबतों और मनुष्य की मजबूरियों को समझाते हुए जब हमसे गहनों की माँग की तो क्षण भर के लिए हमें कुछ वैसा लगा और गहना देने में तनिक हिचकिचाहट महसूस हुई पर यह सोचा कि उनकी प्रसन्नता में हमारी खुशी है, हमने गहने दे दिए। केवल टीका, नथुनी, बिछिया रख लिए थे। वे हमारे सुहागवाले गहने थे। उस दिन तो उन्होंने कुछ नहीं कहा, पर दूसरे दिन वे अपनी पीड़ा न रोक सके। कहने लगे - ''तुम जब मिरजापुर जाओगी और लोग गहनों के संबंध में पूछेंगे तो क्या कहोगी?''

३) 'पर' शब्द के दो अर्थ बताकर उसका स्वतंत्र वाक्य में प्रयोग कीजिए । २

१) ---------- २) ----------

४) सुनील जी के अपने बाबूजी के प्रति विचार ६-८ वाक्य में लिखिए । २

प्र. २ : निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ६

१) कवि के घर
मिली हुई वस्तुएँ खाली ↓ ↓ ↓ ↓ २

२) ऐसे प्रश्न बनाइए जिनके उत्तर निम्न शब्द हो । २

१) मुद्रा

२) शून्य ब्रह्मांड

वे उद्भ्रांत होकर बोले,
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ हैं?
परीक्षा से एक महीने पहले करूँगा तैयार
वे गरजकर बोले, हमारा मतलब आपकी मुद्रा से है
मैं गरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए,
वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली...
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य - ब्रह्मांड
देखकर मेरे घर में ऐसा अरण्यकांड
उनका खिला हुआ चेहरा मुरझा गया ।

३) आयकर विभाग की छापा प्रणाली का कार्य बताइए। २

प्र.३ : निम्नलिखित पूरक पठन के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ४

१) वर्गीकरण कीजिए । २

लक्ष्मीबाई, रजिया सुल्ताना, दुर्गावती, चाँदबीबी, पद्मिनी, सीता, सावित्री, द्रौपदी

ऐतिहासिक	पौराणिक

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थीं झाँसी की रानी।
रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थीं मर्दानी।
जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला।
सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी - ऐसी बाला।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए।
हर उस धरती की लड़की हैं...

२) पद्य से प्राप्त होनेवाला संदेश लिखिए। २

विभाग - व्याकरण

प्र. ४ : निम्नलिखित वाक्यों को व्याकरण नियमों के अनुसार शुद्ध करके फिर से लिखिए। २

१) उस समय गृहमंत्री पुलिसमंत्री कही जाता था। १

२) बाबू जी खुद इंपाला का प्रयोग न के बराबर करते थे, वह किसी 'स्टेट गेस्ट' का आने पर ही निकलती थी। १

***

B.KUMAR'S ACADEMY

Question Paper

विषय : हिंदी | **पाठ : महिला आश्रम** | **कुल अंक : २०**

कक्षा : १० वी | **पाठ - जब तक जिंदा रहूँ, लिखता रहूँ** | **समय : ४५ मि.**

व्याकरण - पत्रलेखन

(विभाग - गद्य)

प्र.१ : निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **०८**

१) **आश्रम के नियम** २

१.

२.

३.

४.

२) कारण लिखिए। २

i) एक ऐसे आश्रम की कल्पना की है .....

ii) आश्रम को अगर ठीक न लगे तो .....

जिस आश्रम की कल्पना की है उसके बारे में कुछ ज्यादा लिखूँ तो बहन को सोचने में मदद होगी, आश्रम यानी होम (घर) उसकी व्यवस्था में या संचालन मे किसी पुरुष का संबंध न हो। उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए। उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे, लेकिन कही माँगने नहीं जाना है। जो महिला आएगी वह अपने खाने - पीने की तथा कपड़ेलत्ते की व्यवस्था करके ही आए। वह यदि गरीब है तो उसकी सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए। पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए। दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती है। आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महिने का नोटिस देकर किसी को आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा।

३) निम्नलिखित शब्दों से बने मुहावरें के अर्थ लिखकर उनका स्वतंत्र वाक्य में प्रयोग कीजिए। २

१) **आँख**

मुहावरा →

अर्थ →

वाक्य →

२) **हाथ**

मुहावरा →
अर्थ →
वाक्य →

४) 'पत्र पढ़ने में जो मजा है वह एसएमएस संदेश में नही' इस विषय में अपने विचार ६-८ वाक्य में लिखो: २

प्र. २ : निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ८

१) i) संवाद चल रहा है इन → १
दोनों के बीच → २ १

ii) लेखक के पिताजी मँगवाते → १
थे ये दो पत्रिकाएँ → २ १

२) लेखक ने पढ़े इनके साहित्य २

तिवारी जी : नागर जी, मैं आपको आपके लेखन के आरंभ काल की ओर ले चलना चाहता हूँ। जिस समय आपने लिखना शुरू किया उस समय का साहित्यिक माहौल क्या था? किन लोगों से प्रेरित होकर आपने लिखना शुरू किया और क्या आदर्श थे आपके सामने?

नागर जी : लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ता था। सनेही जी, अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं। छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था। घर में दो पत्रिकाँए आती थी। एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी'। उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था, कौशिक का था। आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े। शरतचंद्र को बाद में। प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' १९३० के आसपास पढ़ा। उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास १९३० में ही पढ़ डाले। 'आनंदमठ', 'देवी चौधरानी' और एक राजस्थानी थीम पर लिखा हुआ उपन्यास, उसी समय पढ़ा था।

३) निम्न वाक्यों मे आई हुई मुख्य और सहायक क्रियाओं को दी हुई तालिका के सहारे लिखिए। २

वाक्य	मुख्य क्रिया	सहायक क्रिया
१) उनके रीति - रिवाजों का अध्ययन करना पड़ा।		
२) समुद्र स्याह और भयावह दीखने लगा।		
३) मैं गॉवा को पूरी तरह समझ नहीं पाया।		
४) अवश्य ही लोग खा - पीकर चले गए।		

४) तनाव मुक्त होने के लिए 'वाचन' पर अपने विचार लिखिए। २

विभाग - व्याकरण ४

प्र. ३ : १) अपने मित्र को जन्मदिन के उपलब्ध में बधाई देते हुए निम्न पारूप में पत्र लिखिए। ४

दिनांक :
संबोधन

प्रारंभ

विषय विवेचन .....

समापन .....

हस्ताक्षर

नाम

पत्ता

ई-मेल आईडी

* * *

विषय : हिंदी	**Question Paper**	कुल अंक : २०
कक्षा : १० वी	पद्य : समता की ओर, पूरक पठन - बूढ़ी काकी	समय : ४५ मि.

(विभाग - गद्य)

प्र.१ : निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

१) जीवनशैली में अंतर स्पष्ट कीजिए। २

अमीर	गरीब
१)	१)
२)	२)

२) प्रकृति का नियम → ... → ... २

धनियों को है मौज रात - दिन हैं उनके पौ - बारे,
दीन दरिद्रों के मत्थे ही पड़े शिशिर दुख सारे।
वे खाते हैं हलुवा-पूड़ी, दूध - मलाई ताजी,
इन्हें नहीं मिलती पर सूखी रोटी और न भाजी।
वे सुख से रंगीन कीमती ओढ़ें शाल - दुशाले,
पर इनके कंपित बदनों पर गिरते हैं नित पाले।
वे हैं सुख साधन से पूरित सुघर घरों के वासी,
इनके टूटे - फूटे घर में छाई सदा उदासी।
पहले हमें उदर की चिंता थी न कदापि सताती,
माता सम थी प्रकृति हमारी पालन करती जाती।।
हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा,
भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा।

३) अंतिम दो पंक्तियों से मिलनेवाला संदेश लिखिए। २

प्र. २ : निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई ।
प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई ।
पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते,
अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते ।
निशा काल में लोग घरों में निज-बिज जा सोते हैं
बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं ।

१) कृति पूर्ण कीजिए : २

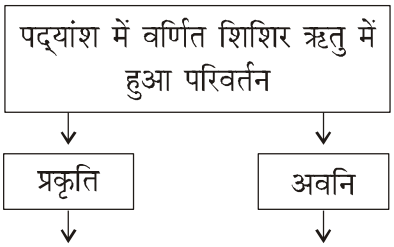

२)उत्तर लिखिए । २

१. शिशिर ऋतु में बार-बार रोनेवाले ⟶

२. पद्यांश में आए फुल का नाम ⟶

३) प्रस्तुत पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए : २

विभाग - पूरक पठन ४

प्र.३ : निम्नलिखित पूरक पठन के परिच्छेद के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) 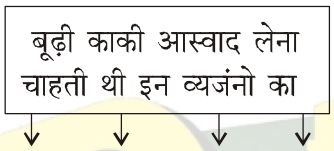

मन - ही मन इसी प्रकार का विचार कर वह बुलाने की प्रतीक्षा करने लगीं। उन्हें एक - एक पल, एक - एक युग के समान मालूम होता था। धीरे - धीरे एक गीत गुनगुनाने लगीं। उन्हें मालूम हुआ कि मुझे सोते देर हो गई। क्या इतनी देर तक लोग भोजन कर ही रहें होंगे। किसी की आवाज नहीं सुनाई देती। अवश्य ही लोग खा-पीकर चले गए। मुझे कोई बुलाने नहीं आया। रूपा चिढ़ गई है, क्या जाने न बुलाए। सोचती हो कि आप ही आएँगी, वह कोई मेहमान तो नहीं जो उन्हें बुलाऊँ। बूढ़ी काकी चलने के लिए तैयार हुई। यह विश्वास कि एक मिनट में पूड़ियाँ और मसालेदार तरकारियाँ सामने आएँगी, उनकी स्वादेंद्रियों को गुदगुदाने लगा। उन्होंने मन में तरह - तरह के मनसूबे बाँधे, पहले तरकारी से पूड़ियाँ खाऊँगी, फिर दही और शक्कर से, कचौड़ियाँ रायते के साथ मजेदार मालूम होंगी। चाहे कोई बुरा माने चाहे भला, मैं तो माँग - माँगकर खाऊँगी, लोग यही कहेंगे न कि इन्हें विचार नहीं? कहा करें, इतने दिन के बाद पूड़ियाँ मिल रही हैं तो मुँह जूठा करके थोड़े ही उठ जाऊँगी।

B.KUMAR'S ACADEMY

२) 'घर में बड़ें - बूढों के बारे में आज के पीढ़ी का वर्तन' अपने विचार ६-८ वाक्य में लिखिए:

विभाग - व्याकरण ४

प्र.४ : निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।

अ.क्र.	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रुप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
१)	भूलना		
२)	खेलना		
३)	बैठना		
४)	लिखना		

* * *